वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 277 गुरुवार 5 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

होली के रंगों में रंगी गुलाबी नगरी

राजधानी जयपुर में बुधवार को भी हर्षोल्लास के साथ होली खेली गई। सुबह से ही लोग टोलियां बनाकर एक दूसरे को रंग लगाते और होली की शुभकामनाएं देते हुए नजर आए। जयपुर के प्रमुख बाजारों में बुधवार को भी होली पर्व का असर साफ नजर आया। हवामहल के सामने सुबह से ही देसी-विदेशी पर्यटकों सहित स्थानीय लोग होली खेलते नजर आये। वहीं इस बार सुरक्षा को देखते हुए जयपुर पुलिस भी अलर्ट रही। खुद पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल पूरे दिन शहर के राउंड पर रहे। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने परकोटे में पैदल गश्त कर लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री निवास पर छाया होली का उल्लास, सीएम भजनलाल शर्मा ने किया सभी का अभिनंदन

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री निवास पर होली का रंगीन उत्साह देखने को मिला, जहां सभी वर्गों के लोग मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को होली की शुभकामनाएं देने पहुंचे। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल रहा और पारंपरिक अंदाज में लोगों ने रंगों का पर्व मनाया। इस दौरान कोई साफा और दुपट्टा लेकर पहुंचा तो किसी ने मुख्यमंत्री को गुलाल अर्पित किया। कुछ लोगों ने उन्हें प्रतीकात्मक रूप से पिचकारी भेंट कर होली की बधाई दी। हर आगंतुक ने अपने-अपने अंदाज में मुख्यमंत्री को हैप्पी होली कहकर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी सभी आगंतुकों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया और प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं।

रावतसर में मानवता की मिसाल

गौशाला परिवार की 'बेटी' बनी जरूरतमंद की लाड़ली, समिति ने धूमधाम से कराया विवाह

रावतसर (नरेश सिगची)

हनुमानगढ़ जिले के रावतसर (वार्ड नं. 25) स्थित श्री सुंदरकांड गौ ग्रास सेवा समिति ने एक बार फिर सामाजिक समरसता और संवेदना का अनुपम उदाहरण पेश किया है। समिति ने एक जरूरतमंद परिवार की बेटी को 'गौशाला परिवार की बेटी' के रूप में अपनाते हुए उसका विवाह पूरे सम्मान और स्नेह के साथ संपन्न कराया। यह आयोजन समाज की एकजुटता और करुणा की एक जीवंत मिसाल बन गया है।

दानदाताओं का सहयोग, गौशाला बजट को नहीं लगाया हाथ

इस आयोजन की सबसे बड़ी और विशेष बात

यह रही कि विवाह का समस्त खर्च गौशाला के नियमित बजट से नहीं, बल्कि समिति के सदस्यों और दानदाताओं के व्यक्तिगत सहयोग से वहन किया गया। समाज के दानदाताओं ने इस पुनीत कार्य के लिए दिल खोलकर दान दिया। गौशाला डायरेक्टर साहिल गर्ग ने बताया कि समिति का उद्देश्य केवल गौ सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्गों को संबल देना भी है। उन्होंने घोषणा की कि भविष्य में भी इस प्रकार की सामाजिक मुहिम जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी समिति ने एक सेवादार परिवार की बेटी का विवाह इसी प्रकार संपन्न कराया था।

भावुक विदाई: हर आँख हुई नम

विवाह के दौरान पूरा वातावरण भावनाओं से ओत-प्रोत रहा। विदाई के क्षणों में जहाँ उपस्थित लोगों की आँखें नम थीं, वहीं एक गरीब परिवार की सहायता करने का संतोष भी चेहरों पर साफ झलक रहा था। रावतसर की इस प्रेरणादायक पहल ने यह सिद्ध कर दिया कि जब समाज एकजुट होता है, तो हर बेटी सचमुच 'सबकी बेटी' बन जाती है।

40 सदस्यों की टीम ने संभाली कमान

आयोजन को सफल बनाने के लिए गौशाला कमेटी के 40 समर्पित सदस्यों की टीम दिन-रात सक्रिय रही। कार्यक्रम के दौरान शहर के गणमान्य व्यक्तियों और दानदाताओं का ताँता लगा रहा।

उपस्थिति

कार्यक्रम में श्याम मित्तल, मंगलचंद भूकर, रवि मित्तल, राजकुमार अग्रवाल, रोहित सोनी, मोहित सोनी, साहिल गर्ग, आशु गुप्ता, नरेश बिहानी, सुनील महिपाल, दानाराम, भारत गर्ग, राधाकृष्ण सरावगी, बसंत गोल्यान, सत्यनारायण बिश्नोई, कृष्ण बिश्नोई, केशव भाटी, डिप्टी गोयल, संतलाल गोयल, शिवम धारीवाल, पप्पू सोनी, बाबू लाल, असलम सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नौगामा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

आचार्य श्रेयसागर का मंगल प्रवेश और मुनि सजगसागर से हुआ मिलन

नौगामा (सुरेश चंद्र गांधी)

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के नौगामा नगर में परम पूज्य आचार्य श्रेयसागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस भक्तिमय अवसर पर नगर में पहले से विराजमान मुनि सजगसागर जी महाराज के साथ उनका ऐतिहासिक मिलन हुआ, जिसे देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। नगर में जगह-जगह गुरुदेव का पाद-प्रक्षालन कर भव्य स्वागत किया गया। आचार्य श्री ने 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दर्शन किए और विशाल जिनालय की प्राचीनता व भव्यता की सराहना की। अपने मंगल प्रवचन में उन्होंने कहा, ''यह विशाल मंदिर पूर्वजों की अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। हमारे सत्कर्म ही हमें मोक्ष मार्ग की ओर ले जाते हैं, इसलिए जीवन में सदैव धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए।'' प्रवचन के पश्चात आचार्य श्री ने सुखोदय तीर्थ नसिया जी में 24 टोंक और 7 गुफाओं के दर्शन किए। उन्होंने वहां निमार्णाधीन भगवान मुनिसुव्रतनाथ जिनालय के शीघ्र पूर्ण होने का आशीर्वाद प्रदान किया। संध्या काल में मुनि श्री के सानिध्य में प्रतिक्रमण और आचार्य भक्ति का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी, भरत पंचोली व वीणा दीदी ने किया। अंत में जैन समाज के अध्यक्ष विपुल पंचोली ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आचार्य वसुनंदी की कृति 'आदर्श शिक्षा विधि' पर समीक्षा संगोष्ठी, प्रशासनिक अधिकारी निशांत जैन होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्राकृत भाषा के प्रकांड विद्वान और 'अभिक्षण ज्ञानोपयोगी प्राकृत भाषा चक्रवर्ती' आचार्य श्री 108 वसुनंदी महामुनिराज द्वारा रचित महत्वपूर्ण पुस्तक ''आदर्श शिक्षा विधि'' पर एक भव्य समीक्षा समारोह का आयोजन कल, 5 मार्च (गुरुवार) को होने जा रहा है। यह कार्यक्रम सी-स्कीम स्थित श्री महावीर विद्यालय के 'महावीर सभागार' में आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख अतिथि और वक्ता

धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला और ज्ञान चंद भोंच ने बताया कि इस बौद्धिक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि जयपुर विकास प्राधिकरण के सचिव और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (आईएएस) निशांत जैन होंगे। संस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया के अनुसार, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय के डॉ. यश जैन और दूरदर्शन के राकेश जैन भी शिरकत करेंगे।

36 शिक्षकों का होगा सम्मान

कार्यक्रम के सहयोगी संस्थान, श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा समिति के अध्यक्ष यू.एम. सांघी और मानद मंत्री सुनील बख्शी ने जानकारी दी कि यह समारोह केवल पुस्तक समीक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। इस पावन अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 36 शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

पुस्तक का महत्व

आचार्य वसुनंदी जी द्वारा प्राकृत भाषा में लिखित यह पुस्तक आधुनिक शिक्षण पद्धति और प्राचीन ज्ञान के समन्वय पर आधारित है। समारोह में विद्वान वक्ता इस बात पर चर्चा करेंगे कि कैसे आचार्य श्री के विचार वर्तमान शिक्षण विधियों को और अधिक 'आदर्श' और नैतिक बना सकते हैं।

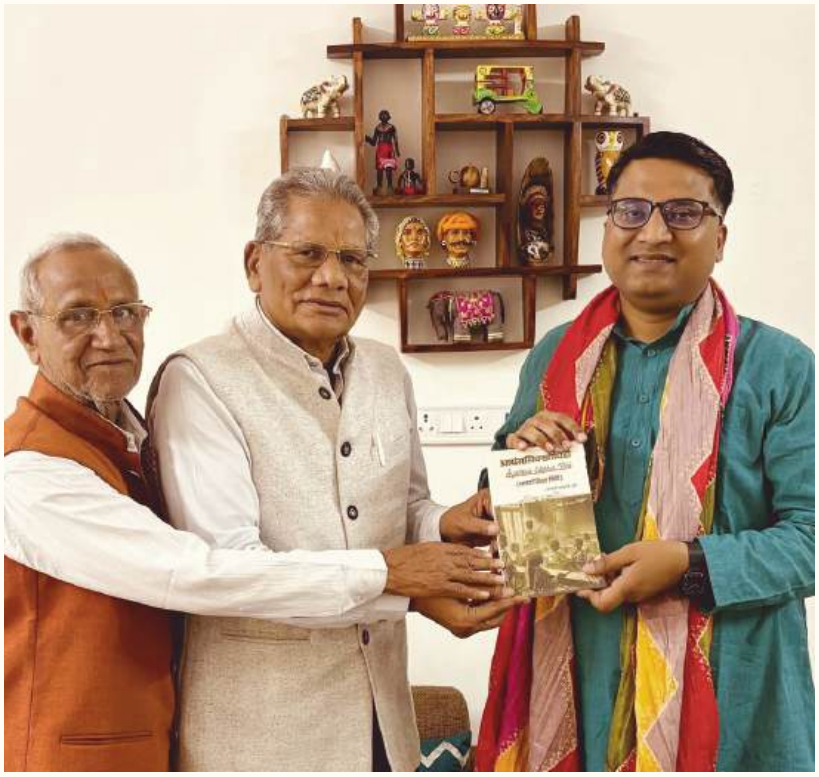

परिदृश्य

त्याग, तप और तर्क के प्रतीक

योगेश कुमार गोयल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 4 मार्च का दिन एक ऐसे महामानव की स्मृति लेकर आता है, जिसने अपनी कुशाग्र बुद्धि और विद्वत्ता को विलासिता का साधन बनाने के बजाय राष्ट्र की स्वतंत्रता की वेदी पर समिधा बना दिया। लाला हरदयाल मात्र एक क्रांतिकारी नहीं थे, बल्कि वे एक उच्च कोटि के मनीषी, दार्शनिक और संगठनकर्ता थे, जिन्होंने सात समंदर पार 'गदर' की गूंज से ब्रिटिश साम्राज्य की चूलें हिला दी थीं। 14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली के एक साधारण परिवार में जन्मे हरदयाल माथुर बचपन से ही अद्भुत मेधा के धनी थे। उनकी शैक्षणिक यात्रा किसी चमत्कार से कम नहीं थी। दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से संस्कृत में स्नातक करने के बाद वे सरकारी वजीफे पर उच्च शिक्षा के लिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय (इंग्लैंड) गए। उस दौर में जहां भारतीय युवा ब्रिटिश हुकूमत की चाकरी कर ऊंचे पद पाने का स्वप्न देखते थे, वहीं हरदयाल के भीतर स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की ज्वाला धधक रही थी। उन्होंने अनुभव किया कि ब्रितानी शिक्षा पद्धति भारतीयों को केवल 'बाबू' बनाने का यंत्र है। इसी बोध के कारण उन्होंने ऑक्सफोर्ड की छात्रवृत्ति और तमाम सुख-सुविधाओं को ठुकरा कर देश सेवा का मार्ग चुना। लाला हरदयाल के जीवन का सबसे स्वर्णिम अध्याय अमेरिका में 'गदर पार्टी' की स्थापना के साथ शुरू होता है। उन्होंने विदेशों में बसे प्रवासी भारतीयों की आंखों में छिपे उस अपमान को पहचाना, जो उन्हें एक गुलाम देश का नागरिक होने के कारण झेलना पड़ता था। 1913 में उन्होंने 'गदर' समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया। इसके पहले अंक के मुख्य पृष्ठ पर लिखा शीर्षक 'अंग्रेजी राज का दुश्मन' फिरंगियों की नींद उड़ाने के लिए पर्याप्त था। उनका लेखन कोई साधारण गद्य नहीं, बल्कि सोई हुई आत्माओं को झकझोरने वाला शंखनाद था। उनके आह्वान पर करतार सिंह सराभा और विष्णु गणेश पिंगले जैसे वीर योद्धा तैयार हुए, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। हरदयाल जी का मानना था कि आजादी की लड़ाई केवल सीमाओं के भीतर रहकर नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर साम्राज्यवाद की जड़ों पर प्रहार करके भी जीती जा सकती है।

संपादकीय

संतुलन और शांति की चुनौती

आज की बदलती दुनिया में वैश्विक असुरक्षा की भावना गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं, बल्कि एक खंडित होती विश्व-व्यवस्था का संकेत है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तो उसका प्रभाव ऊर्जा बाजार, आपूर्ति शृंखलाओं और खाद्य सुरक्षा से लेकर समूची मानवता पर पड़ता है। मध्य-पूर्व में युद्ध का पहला और सबसे बड़ा प्रहार तेल आपूर्ति पर होता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा का अर्थ है तेल की कीमतों में उछाल और भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देशों पर बढ़ता राजकोषीय दबाव। ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव केवल दो देशों का द्वंद्व नहीं है। ईरान एक प्रमुख तेल उत्पादक है; वहां की अस्थिरता विकासशील देशों की वित्तीय संरचना को हिला सकती है। हालिया हमलों में जनहानि की खबरें वैश्विक शांति के लिए चिंताजनक हैं। युद्ध केवल आर्थिक संकट ही नहीं लाता, बल्कि यह राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है और सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी की है। यूक्रेन संकट के बाद गहराते ध्रुवीकरण के बीच भारत के लिए संतुलन साधना एक जटिल प्रश्न है। एक ओर अमेरिका के साथ हमारी सामरिक साझेदारी है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ ऐतिहासिक और ऊर्जा संबंध।

साथ ही, इजरायल के साथ हमारा रक्षा और तकनीकी सहयोग निरंतर मजबूत हुआ है। भारत की विशेष चिंता वहां कार्यरत लगभग 90 लाख भारतीय भी हैं। यदि युद्ध फैलता है, तो न केवल उनकी सुरक्षा दांव पर लगेगी, बल्कि प्रेषण राशि और लाल सागर के व्यापारिक मार्ग भी प्रभावित होंगे। यह स्थिति भारत की विकास दर पर दबाव डाल सकती है, जो वर्तमान में विश्व की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रधानमंत्री द्वारा अपनाई गई 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने अमेरिका के साथ जुड़ाव रखते हुए भी रूस से ऊर्जा संबंध बनाए रखे हैं और खाड़ी देशों के साथ संतुलन साधा है। यह दृष्टिकोण भारत को संवाद के लिए एक विश्वसनीय मंच प्रदान करता है। वर्तमान में भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें अब ईरान भी सदस्य है। भारत इस मंच और जी-20 के माध्यम से 'वैश्विक दक्षिण' की आवाज बनकर युद्धविराम और बहुपक्षीय समाधान की पहल कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की सीमित सक्रियता के बीच भारत जैसी मध्यम शक्तियों का उत्तरदायित्व बढ़ जाता है।

संवाद की पहलः स्थायी शांति सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौते से ही संभव है।

ऊर्जा विविधीकरणः तेल पर निर्भरता कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश बढ़ाना।

वैश्विक संस्थाओं का सुधारः ताकि वे महाशक्तियों के प्रभाव से मुक्त होकर न्यायपूर्ण मंच बन सकें।

परिदृश्य

भारतीय युवाओं के लिए खतरे की घंटी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वर्तमान डिजिटल युग में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और ओपनएआई जैसे संस्थानों द्वारा विकसित एआई उपकरणों ने शिक्षा से लेकर व्यक्तिगत निर्णयों तक में पैठ बना ली है। भारत जैसे युवा प्रधान देश में जहाँ स्मार्टफोन और सस्ता इंटरनेट जनसामान्य तक पहुँच चुका है, वहां एक गंभीर प्रश्न उभर रहा है: क्या अत्यधिक डिजिटल निर्भरता और 'शॉर्ट वीडियो' संस्कृति हमारे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को खोखला कर रही है? भारतीय चिंतन परंपरा का सिद्धांत 'अति सर्वत्र वर्जयेत्' (किसी भी चीज की अति वर्जित है) आज के संदर्भ में पूरी तरह सटीक बैठता है। हाल ही में 26 फरवरी 2026 को जर्मनी से जारी 'ग्लोबल माइंड हेल्थ रिपोर्ट 2025' ने इस चिंता को सांख्यिकीय आधार दिया है। स्पेन लेबस के ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के तहत 84 देशों के 10 लाख लोगों पर किए गए इस अध्ययन में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 18 से 34 वर्ष के भारतीय युवा मानसिक स्वास्थ्य के मानकों पर 84 देशों में 60वें स्थान पर हैं। उनका 'माइंड हेल्थ क्वोशेंट' स्कोर मात्र 33 दर्ज किया गया, जबकि 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के भारतीयों का स्कोर 96 रहा। यह पीढ़ीगत अंतर दशार्ता है कि नई पीढ़ी न केवल तनाव और अवसाद से जूझ रही है, बल्कि उनकी मूल मनोवैज्ञानिक क्षमताएं जैसे एकाग्रता, आत्म-नियंत्रण और भावनाओं को प्रबंधित करने की शक्ति भी कमजोर हो रही है।

गिरावट के प्रमुख कारण

इस गिरावट के पीछे तीन मुख्य कारक उत्तरदायी माने गए हैं:

डिजिटल एक्सपोजर: भारत में स्मार्टफोन उपयोग की औसत आयु घटकर 16.5 वर्ष रह गई है। किशोरावस्था में मस्तिष्क के विकास के समय रील्स और शॉर्ट वीडियो का अत्यधिक सेवन 'त्वरित डोपामिन' की लत लगा देता है। इससे गहन चिंतन और एकाग्रता की क्षमता बाधित होती है। **खानपान में बदलाव:** रिपोर्ट के अनुसार, 44% भारतीय युवा नियमित रूप से 'अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड' का सेवन करते हैं। उच्च शर्करा और सोडियम युक्त भोजन न केवल शारीरिक बीमारियाँ बल्कि मानसिक असंतुलन भी पैदा करता है।

पारिवारिक जुड़ाव में कमी: जहां 55+ आयु वर्ग के 78% लोग परिवार के करीब हैं, वहीं युवाओं में यह आंकड़ा मात्र 64% है। नगरीकरण और डिजिटल जीवनशैली ने पारंपरिक सामाजिक सुरक्षा तंत्र को कमजोर कर दिया है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी स्वयं समस्या नहीं है, बल्कि उसका असंतुलित उपयोग समस्या है। एआई और तकनीक हमारी सहायक होनी चाहिए, विकल्प नहीं। यदि हर छोटी जिज्ञासा के लिए हम एआई पर निर्भर हो जाएंगे, तो हमारी सृजनात्मक और तार्किक क्षमता कुंठित हो सकती है। विकसित देशों का अनुभव बताता है कि आर्थिक समृद्धि मानसिक शांति की गारंटी नहीं है। फिनलैंड जैसा देश, जो हैप्पीनेस इंडेक्स में शीर्ष पर रहता है, वह भी युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के मामले में 40वें स्थान पर है। अतः यह एक वैश्विक संकट है जिसका समाधान 'डिजिटल अनुशासन' में निहित है। भारत के लिए यह रिपोर्ट एक चेतावनी और अवसर दोनों है। नीति-निमार्ताओं को स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा और खेल-कूद को अनिवार्य करना होगा। परिवारों को 'डिजिटल डिटॉक्स' और आपसी संवाद को बढ़ावा देना होगा।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन 12 अप्रैल को चांदखेड़ी में

जबलपुर/भोपाल. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 12 अप्रैल 2026 (रविवार) को श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, चाँदखेड़ी (राजस्थान) में आयोजित किया जाएगा। यह अधिवेशन एक दिवसीय होगा। फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन एवं राष्ट्रीय मीडिया संयोजक नितिन जैन द्वारा संयुक्त रूप से मीडिया को जारी जानकारी में बताया गया कि इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर के 350 से अधिक दिगम्बर जैन सोशल ग्रुपों के अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष अपने वर्ष 2025 के पदाधिकारियों के साथ सहभागिता करेंगे। इसके अतिरिक्त फेडरेशन के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी भी सपत्नीक चाँदखेड़ी (राजस्थान) पहुँचकर अधिवेशन में शामिल होंगे। अधिवेशन के विस्तृत कार्यक्रम एवं रूपरेखा की जानकारी शीघ्र ही जारी की जाएगी।

फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन एवं राष्ट्रीय मीडिया संयोजक नितिन जैन द्वारा संयुक्त रूप से मीडिया को जारी जानकारी में बताया गया कि इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर के 350 से अधिक दिगम्बर जैन सोशल ग्रुपों के अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष अपने वर्ष 2025 के पदाधिकारियों के साथ सहभागिता करेंगे...

धुलियान में अष्टान्हिका महापर्व की धूम

आठ दिनों तक भक्ति भाव के साथ आयोजित हो रहे हैं विशेष विधान

धुलियान (पश्चिम बंगाल). शाबाश इंडिया

धुलियान नगर में अष्टान्हिका महापर्व के उपलक्ष्य में जैन समाज द्वारा भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखा जा रहा है। श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में पंडित अमर चंद जी के कुशल सानिध्य में आठ दिवसीय विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन अलग-अलग विधानों के माध्यम से जिनेन्द्र देव की आराधना की जा रही है।

आठ दिवसीय विधानों का क्रमः

अष्टान्हिका पर्व के दौरान मंदिर जी में भक्ति का प्रवाह कुछ इस प्रकार रहाः

24 फरवरीः श्री आदिनाथ विधान
25 फरवरीः श्री 1008 पद्मप्रभ विधान
26 फरवरीः चौसठ रिद्धि विधान
27 फरवरीः श्री कल्याण मंदिर स्तोत्र विधान
28 फरवरीः श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ विधान
01 मार्चः श्री पंच परमेष्ठी विधान
02 मार्चः श्री भक्तामर विधान
03 मार्चः श्री 1008 महावीर विधान के साथ अनुष्ठान का समापन।

भक्ति और समर्पण का वातावरण

इस आयोजन को सफल बनाने में श्रीमान मनोज कुमार जी बड़जात्या अपना पूर्ण समय और सेवाएँ दे रहे हैं। अनुष्ठान के दौरान पुण्यार्जक परिवारों की ओर से प्रतिदिन सायंकाल में मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलन की क्रिया संपन्न की जा रही है, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा है। विशेष रूप से महिलाओं की सहभागिता इस महोत्सव में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। महिला मंडल द्वारा भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अष्टान्हिका महापर्व के प्रति भारी उत्साह देखा जा रहा है। संजय बड़जात्या ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में धार्मिक चेतना और एकता की भावना सुदृढ़ होती है।

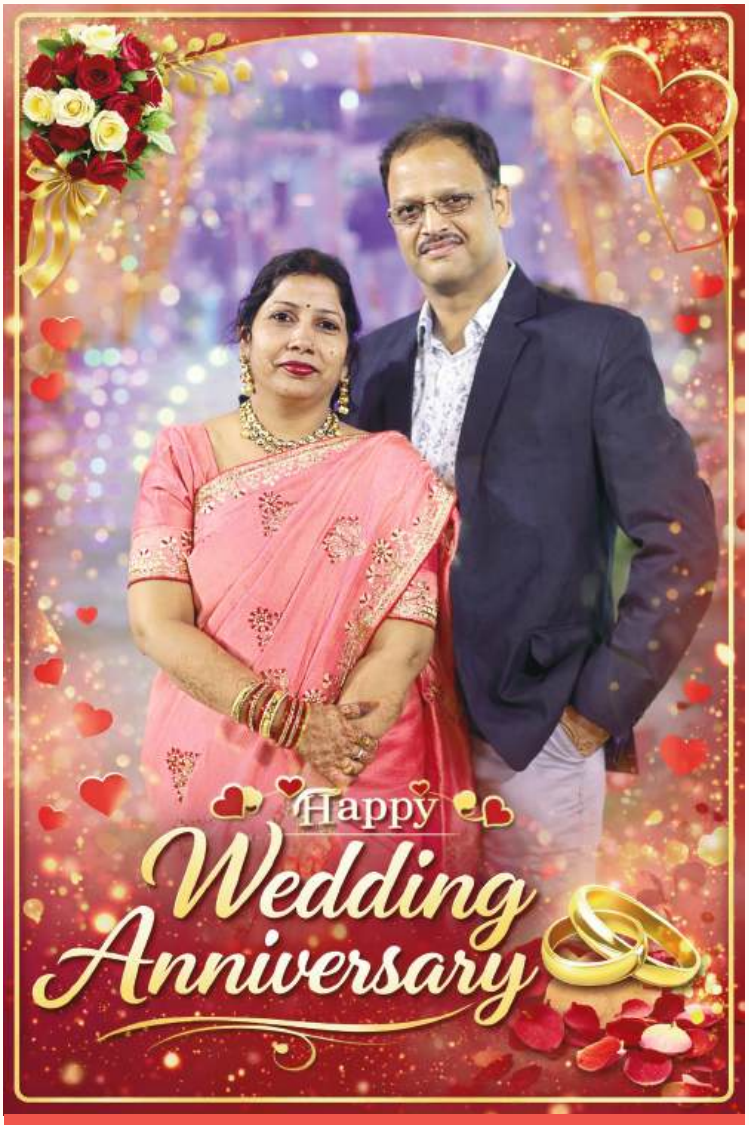

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर के उपाध्यक्ष
श्रीमती अर्चना जैन एवं श्रीमान नीरज जी जैन
को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाइयां
समस्त संगिनी फॉरएवर ग्रुप एवं
महासमिति अंचल के सदस्यों की तरफ से
अध्यक्ष : शकुंतला विनायका, मंत्री : सुनीता गंगवाल
कोषाध्यक्ष : उर्मिला जैन

आर्यिका अर्हश्री माताजी के सानिध्य में मानसरोवर के वरुण पथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य "सम्मेद शिखर विधान"

24 तीर्थंकर भगवानों के जयकारों से गूंजा मंदिर प्रांगण, श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धा-भक्ति से अर्पित किए अष्ट द्रव्य

सोमवार को 108 पुरुष-बालकों द्वारा आहार का ऐतिहासिक आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी के नाम से विख्यात राजधानी जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में स्थित प्राचीन एवं विशाल दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ के प्रांगण में रविवार प्रातः 8:30 बजे से सिद्धों की आराधना के शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर की भावना को समर्पित एक भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन पूज्य आर्यिका अर्हश्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धा, भक्ति और आराधना भाव के साथ 24 तीर्थंकर भगवानों के जयकारे लगाए तथा जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीप, धूप, फल एवं अर्घ सहित अष्ट द्रव्यों से विधान पूजन संपन्न किया। भजन-भक्ति से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिर समिति के कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि विधान पूजन का शुभारंभ श्रीजी के कलशाभिषेक के साथ हुआ। इस पुण्यार्जक आयोजन में प्रातः 8 बजे वाले समूह के नरेश शाह, महावीर बड़जात्या, राकेश लुहाड़िया, दीपेश अजमेरा, राजकुमार काला, गौरव जैन, सुचित सेठी, सुरेंद्र जैन, विवेक जैन, अनिल जैन, सुनील बाकलीवाल, राजेंद्र जैन सहित वरुण पथ समाज समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन, कोषाध्यक्ष हेमेंद्र सेठी, उपाध्यक्ष लोकेश सोगानी, संगठन मंत्री सुनील गंगवाल, उप-संगठन मंत्री राजेंद्र सोनी तथा कार्यकारिणी सदस्य सुनील गोधा, दिनेश जैन, अरविंद गंगवाल, नवीन बाकलीवाल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लेकर अपनी उपस्थित दर्ज करवाई। पूज्य माताजी के मुखारविंद से विश्व कल्याण हेतु शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात नवयुगल दंपतियों द्वारा मंडलजी पर मंगल कलशों की स्थापना कर गाजे-बाजे के साथ विधान पूजन प्रारंभ हुआ। इस दौरान आर्यिका अर्हश्री माताजी के मंगल प्रवचन भी सम्पन्न हुए। इससे पूर्व आर्यिका संघ के पाद प्रक्षालन, वस्त्र भेंट, शास्त्र भेंट इत्यादियों की क्रियाएं भजन भक्ति के साथ सम्पन्न की गई। आयोजन की विशेषता यह रही कि बड़ी संख्या में युवा दंपतियों एवं परिवारों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई, जिससे आयोजन का सौंदर्य और गरिमा देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर पुरुषों ने केसरियां धोती - दुप्पटे और महिलाओं ने पीली साड़ी परिधान पहन कर मंदिर परिसर का पूरा वातावरण केसर की सुगंधनामा बना दिया। समिति अध्यक्ष जे.के. जैन ने जानकारी दी कि सोमवार, 2 मार्च 2026 को एक विशेष एवं दुर्लभ आयोजन के अंतर्गत प्रातः 9:30 बजे से सम्पूर्ण आर्यिका संघ को आहार संपन्न करवाया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में 7 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों सहित 108 से अधिक पुरुष सहभागी बनेंगे। रविवार के विधान पूजन के समापन पर आयोजक दीपेश जैन, सुचित सेठी, नरेश शाह, अनिल जैन, राजकुमार काला सहित सभी पदाधिकारियों ने समस्त पुजार्थियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए सोमवार की आहार चर्या में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने का आह्वान किया।

भीलवाड़ा में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा अब 8 अप्रैल से, तैयारियां युद्धस्तर पर

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी भीलवाड़ा में देश के प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारबिंद से होने वाली प्रथम 'श्री शिव महापुराण कथा' की तिथियों में आंशिक बदलाव किया गया है। अब यह भव्य आयोजन 8 से 14 अप्रैल तक आयोजित होगा। पहले यह कथा 9 से 15 अप्रैल तक प्रस्तावित थी, जिसे पंडित मिश्रा की व्यस्तता के चलते एक दिन पहले स्थानांतरित किया गया है।

मेवाड़ में पहली कथा को लेकर भारी उत्साह

पंडित प्रदीप मिश्रा की मेवाड़ क्षेत्र में यह पहली कथा है, जिसे लेकर भीलवाड़ा सहित पूरे क्षेत्र के शिवभक्तों में जबरदस्त उत्साह है। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी जी महाराज के सानिध्य में यह आयोजन आजाद नगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड में होगा। महंत श्री स्वयं तैयारियों का निरंतर जायजा लेकर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

विधायक अशोक कोठारी के नेतृत्व में समितियों का गठन

आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए विधायक एवं समिति अध्यक्ष अशोक कोठारी तथा कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति के संयोजक अशोक बाहेती ने बताया कि भीलवाड़ा का हर समाज और वर्ग इस आयोजन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहा है। कथा के सुचारू संचालन के लिए भोजन, आवास और पार्किंग प्रबंधन की विशेष योजना बनाई गई है। कथा प्रारंभ होने से एक दिन पूर्व, यानी 7 अप्रैल को शहर में भव्य मंगल कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें हजारों की संख्या में मातृशक्ति केसरिया बाना पहनकर और सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। होली पर्व के तुरंत बाद आयोजन समिति के कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा।

लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना

समिति का अनुमान है कि पंडित मिश्रा की लोकप्रियता को देखते हुए राजस्थान के विभिन्न जिलों और पड़ोसी राज्यों से लाखों श्रद्धालु भीलवाड़ा पहुँचेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेडिसिटी ग्राउंड में विशाल पंडाल और बुनियादी सुविधाओं का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा।

सिद्धचक्र विधान में गूंजे प्रभु के जयकारे: 712 अर्घ्यों से हुई सिद्धों की आराधना, तीर्थंकर माता की गोद भराई संपन्न

आगरा. शाबाश इंडिया

कमला नगर स्थित शालीमार एनक्लेव के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व के उपलक्ष्य में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित 'श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान' के सातवें दिन श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा।

भक्ति और संगीत का संगम

पुण्यार्जक पारस जैन कंसल एवं मधु जैन कंसल परिवार के संयोजन में आयोजित विधान के सातवें दिन (1 मार्च) का शुभारंभ श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुआ। बाल ब्रह्मचारी आशिष जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में इंद्र-इंद्राणियों ने मंत्रोच्चारण के साथ मंडल पर सिद्धों के गुणों का गुणगान किया और प्रभु के चरणों में 712 अर्घ्य समर्पित किए। इस दौरान संगीतकार सचिन तन्मय एंड पार्टी के मधुर भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिस पर श्रद्धालु झूमते और नृत्य करते नजर आए।

सम्मान एवं गोदभराई समारोह

संध्या काल में शालीमार एनक्लेव परिवार द्वारा 'सर्वतोभद्र जिनालय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' के अंतर्गत एक विशेष गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तीर्थंकर माता-पिता के पात्र बने पारस दास जैन एवं स्नेहलता जैन की गोदभराई एवं सम्मान समारोह संपन्न हुआ। श्रावक-श्राविकाओं ने मेवा, किशमिश, फल एवं अखरोट के साथ तीर्थंकर माता की गोद भराई की रस्म पूरी की।

वहीं, तीर्थंकर पिता का साफा एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत-सम्मान किया गया।

समाज की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, व्यवस्था समिति और शालीमार जैन मंदिर परिवार के पदाधिकारियों सहित समस्त कमला नगर जैन समाज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे क्षेत्र का वातावरण धर्ममय हो गया और भक्तों के हृदय में भक्ति का ज्वार उमड़ पड़ा।

भीलवाड़ा में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा अब 8 अप्रैल से, तैयारियां युद्धस्तर पर

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी भीलवाड़ा में देश के प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारबिंद से होने वाली प्रथम 'श्री शिव महापुराण कथा' की तिथियों में आंशिक बदलाव किया गया है। अब यह भव्य आयोजन 8 से 14 अप्रैल तक आयोजित होगा। पहले यह कथा 9 से 15 अप्रैल तक प्रस्तावित थी, जिसे पंडित मिश्रा की व्यस्तता के चलते एक दिन पहले स्थानांतरित किया गया है।

मेवाड़ क्षेत्र में पहली कथा को लेकर भारी उत्साह

पंडित प्रदीप मिश्रा की मेवाड़ क्षेत्र में यह पहली कथा है, जिसे लेकर भीलवाड़ा सहित पूरे क्षेत्र के शिवभक्तों में जबरदस्त उत्साह है। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी जी महाराज के सानिध्य में यह आयोजन आजाद नगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड में होगा। महंत श्री स्वयं तैयारियों का निरंतर जायजा लेकर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

विधायक अशोक कोठारी के नेतृत्व में समितियों का गठन

आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए विधायक एवं समिति अध्यक्ष अशोक कोठारी तथा कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति के संयोजक अशोक बाहेती ने बताया कि भीलवाड़ा का हर समाज और वर्ग इस आयोजन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहा है। कथा के सुचारू संचालन के लिए भोजन, आवास और पार्किंग प्रबंधन की विशेष योजना बनाई गई है।

7 अप्रैल को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

कथा प्रारंभ होने से एक दिन पूर्व, यानी 7 अप्रैल को शहर में भव्य मंगल कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें हजारों की संख्या में मातृशक्ति केसरिया बाना पहनकर और सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। होली पर्व के तुरंत बाद आयोजन समिति के कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा।

बापू नगर जैन मंदिर में भक्ति का संचार

श्री शांतिनाथ मंडल विधान में समर्पित किए 120 अर्घ्य

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शहर के बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में शनिवार को 'श्री शांतिनाथ मंडल विधान' पूजा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में इंद्र-इंद्राणियों और स्थानीय श्रावकों ने सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

विधि-विधान से हुई कलश स्थापना

कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित वैभव टेमाणी (मालपुरा) के कुशल निर्देशन में हुआ। मांगलिक क्रियाओं के अंतर्गत राजेंद्र कुमार, चेतन कुमार, अनीता, ऋषभ और नेहा अग्रवाल परिवार ने मंत्रोच्चारण के साथ मंडल पर विधि-विधान पूर्वक मंगल कलशों की स्थापना की। इसके पश्चात मंदिर का वातावरण 'जय जिनेंद्र' के घोष से गुंजायमान हो उठा।

भजन और नृत्य के बीच 120 अर्घ्य समर्पित

संगीत मंडली की मधुर स्वर लहरियों के साथ विधान की मुख्य पूजा शुरू हुई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव में डूबकर भगवान शांतिनाथ के गुणों का स्तवन किया और जिनेन्द्र देव के समक्ष 120 अर्घ्य समर्पित किए। इस दौरान पुरुष और महिला श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नृत्य करते नजर आए, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर धर्ममय हो गया।

महाआरती के साथ समापन

विधान के समापन पर उपस्थित जनसमूह ने सामूहिक रूप से जिनेन्द्र देव की महाआरती की। इस अवसर पर बापू नगर और आसपास के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में धमार्लुगण उपस्थित रहे। मंदिर प्रबंध समिति ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

अजमेरी गेट पर जमा फाग का रंग: चंग की थाप पर झूमे राहगीर, फूलों की होली बनी आकर्षण का केंद्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी के अजमेरी गेट स्थित प्रेम पान के पास पिपलेश्वर महादेव मंदिर में फाग उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। फाग के गीतों और चंग की थाप का जादू ऐसा चला कि वहां से गुजरने वाले राहगीर भी रुक गए और भक्ति व मस्ती में झूमने को मजबूर हो गए।

फतेहपुर सीकरी के कलाकारों ने बांधा समां

कार्यक्रम संयोजक मुकेश सोनी ने बताया कि उत्सव में विशेष रूप से आमंत्रित 'किशन एंड पार्टी, फतेहपुर सीकरी' के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कलाकारों ने जब ऐ जमुना को पानी ओ लायो ओ रसिया...और पतली कमर थारी लुड-लुड जावे... जैसे राजस्थानी फाग गीत गाए, तो पूरा माहौल चंग की थाप से गूंज उठा। गीतों के बोल और वाद्ययंत्रों की जुगलबंदी ने उपस्थित श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया।

राधा-कृष्ण की फूलों की होली

उत्सव का मुख्य आकर्षण राधा-कृष्ण की फूलों की होली रही। कलाकारों ने भगवान राधा और कृष्ण के स्वरूप में फूलों के साथ होली खेली, जिसे देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। श्रद्धालुओं ने भी एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा कर फाग का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में भगवान पिपलेश्वर महादेव की आरती की गई और प्रसाद वितरण हुआ।

आचार्य प्रसन्न सागरजी का मानवता को संदेश: वाणी और व्यवहार ही व्यक्ति को 'अमर' बनाते हैं

नीमच/चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया। अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज की 'अहिंसा संस्कार पदयात्रा' राजस्थान की दीक्षा भूमि परतापुर (बांसवाड़ा) की ओर निरंतर अग्रसर है। नीमच में भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि धरती पर व्यक्ति अमीर हो सकता है, लेकिन अमर केवल अपनी अच्छी वाणी और व्यवहार से ही होता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, हमारे बोलने का लहजा और अंदाज दायरे में होना चाहिए। सोच-समझकर बोलना ही व्यक्तित्व की असली पहचान है। मधुर वाणी से आप किसी के दिल में उतर सकते हैं, जबकि कर्कश व्यवहार व्यक्ति को दिल से उतार देता है। आचार्य श्री ने समय की महत्ता बताते हुए कहा कि सही वक्त ही बुरे वक्त का सबसे बड़ा इलाज है। **पदयात्रा अपडेट:** विश्व के सर्वश्रेष्ठ तपस्वी अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज के चतुर्विध संघ का मंगल विहार 1 मार्च को नीमच (म.प्र.) के शासकीय स्कूल डोराई से चित्तौड़गढ़ (राज.) के श्रीनगर की ओर हुआ। यह 17.5 किमी की पदयात्रा निरंतर परतापुर की ओर बढ़ रही है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

थर्मल कॉलोनी में गूंजे बाबा श्याम के जयकारे

भजनों की सरिता में डूबे श्रद्धालु, खाटू धाम सा दिखा नजारा

कोटा (आजाद शेरवानी). शाबाश इंडिया

कोटा थर्मल कॉलोनी में आयोजित भव्य भजन संध्या ने पूरे क्षेत्र को 'खाटू धाम' के स्वरूप में बदल दिया। फूलों से सजे दिव्य दरबार और मनमोहक सजावट के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में कोटा थर्मल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता शैलेन्द्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भजन संध्या का शुभारंभ राहुल शर्मा ने ''शीश के दानी'' की कथा और भजनों से किया। इसके पश्चात मशहूर गायक महिंद्रा अलबेला ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए। गायक सुनील शर्मा के भजनों पर हुई फूलों और गुलाल की वर्षा ने वातावरण को उत्सव के रंगों से भर दिया। वहीं, अमन प्रजापति ने सांवरिया सेठ के ऊजार्वान भजनों से युवाओं और महिलाओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया। आयोजन समिति ने बताया कि इस सामूहिक प्रयास का उद्देश्य समाज में भाईचारा और भक्ति की भावना को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम में थर्मल के अधिकारी और कर्मचारी सपरिवार सम्मिलित हुए। देर रात तक चले इस आयोजन ने श्रद्धालुओं को खाटू जैसा दिव्य अनुभव कराया।

मानवता की अनूठी होली

सर्व समाज सेवा समिति ने 150 विद्यार्थियों और श्रमिकों संग बांटी खुशियां

जयपुर. शाबाश इंडिया। होली के पावन पर्व पर सर्व समाज सेवा समिति के सदस्यों ने अभावग्रस्तों के बीच पहुँचकर त्योहार की खुशियों को दोगुना कर दिया। समिति द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय उच्च प्राथमिक आवासीय विद्यालय, रामनगरिया के बच्चों और विभिन्न श्रमिक बस्तियों में भोजन प्रसादी वितरित कर सेवा का संकल्प दोहराया गया।

विद्यार्थियों संग मनाया उत्सव और विदाई समारोह

समिति के सदस्य डॉ. अशोक दुबे ने बताया कि इस विशेष अवसर पर गोनेर स्थित श्री जगदीश महाराज मंदिर में खीर, मालपुआ, पूड़ी और दाल का भोग लगाया गया। इसके पश्चात विद्यालय में रहने वाले बच्चों के साथ होली का उत्सव मनाया गया। यहाँ न केवल बच्चों को स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया, बल्कि कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शिक्षण सामग्री (अभ्यास पुस्तिकाएं एवं लेखन सामग्री) भेंट की गई।

श्रमिक बस्तियों में सजी भोजन की पंगत

विद्यालय के कार्यक्रम के उपरांत समिति के सदस्य उन मेहनतकश दिहाड़ी मजदूरों के बीच पहुँचे, जो समाज के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वीआईटी संस्थान के समीप स्थित कच्ची बस्ती और प्रताप नगर के द्वारकापुरी अपार्टमेंट के पास रहने वाले श्रमिकों के लिए पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया। त्योहार के दिन गर्म और सात्विक भोजन पाकर श्रमिकों और उनके परिजनों के चेहरे खिल उठे। इस पुनीत कार्य में समिति के सदस्य नरेश, नीतेश, संदीप, प्रफुल्ल, दम्मी लाल, धर्मेंद्र, राहुल, शिवचरण, राजेंद्र, हेमेंद्र और कुशल सहित डॉ. अशोक दुबे ने सक्रिय भूमिका निभाई। सदस्यों का मानना है कि इस तरह के आयोजनों से समाज के वंचित वर्गों में उत्साह और अपनापन जागृत होता है, जो सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज में विज्ञान और सेवा का संगम

नेशनल साइंस डे एवं एनएसएस शिविर का भव्य आयोजन

ऐलनाबाद (रमेश भार्गव)।

नगर के प्रतिष्ठित सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज और सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में डॉ. भूषण मोंगा एवं डॉ. रणजीत सिंह के दिशा-निर्देशानुसार 'नेशनल साइंस डे' (राष्ट्रीय विज्ञान दिवस) और 'एनएसएस एक दिवसीय शिविर' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दोहरे आयोजन के माध्यम से छात्राओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया गया। विज्ञान विभाग की प्रभारी इंदु बाला की देखरेख में आयोजित विज्ञान ओलंपियाड और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापिका शैफी सरदाना, जैस्मीन, सपना, महक और देवजोत द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। प्रबंधन समिति के सदस्य डॉली मेहता और कप्तान सिंह ने विशेष व्याख्यान के माध्यम से दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

गंगापुर सिटी: दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का 18वां स्थापना दिवस 22 मार्च को, महावीर जयंती पर लगेगा विशाल रक्तदान शिविर

बैठक में संस्थापक अध्यक्ष सुमेर चंद जैन, रीजन सह-सचिव डॉ. मनोज जैन, अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या, सचिव महेश जैन और कोषाध्यक्ष सुभाष जैन सोगानी सहित समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष रमेश जैन, जगदीश जैन, डॉ. मानव जैन, राकेश जैन, ज्ञानेंद्र जैन, पंकज जैन, मंगल जैन, प्रवीण जैन (कठूमर) एवं डॉ. सुलेखा जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ।

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी की सामान्य सभा की बैठक में वर्ष 2026 के लिए कई महत्वपूर्ण और जनकल्याणकारी निर्णय सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक का शुभारंभ णमोकार मंत्र और मंगलाचरण के साथ हुआ, जिसमें समाज के उत्थान और धार्मिक गतिविधियों को गति देने पर चर्चा की गई।

सदस्यता अभियान का आगाज

ग्रुप ने वर्ष 2026 के लिए अपना 7 दिवसीय सदस्यता अभियान आज से प्रारंभ कर दिया है। बैठक के दौरान श्री राकेश जी जैन ने ग्रुप की नई सदस्यता ग्रहण की, जिनका पदाधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

18वां स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह

आगामी 22 मार्च (रविवार) को दिगंबर जैन मंदिर नसिया जी में ग्रुप का 18वां स्थापना दिवस और नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। इस गरिमामयी कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं रीजन स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक सेवा के प्रकल्प

समिति ने निर्णय लिया है कि 12 मार्च (आदिनाथ जयंती) से 30 मार्च (महावीर जयंती) तक विशेष धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे:

बच्चों का प्रोत्साहन: विद्यालयों में भगवान आदिनाथ से संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित कर बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा।

घर-घर मंगलाचार: समाज के घरों में णमोकार महामंत्र और भजनों के माध्यम से भक्ति का प्रसार होगा।

रक्तदान शिविर: भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में 29 मार्च (रविवार) को वर्धमान हॉस्पिटल में 'चतुर्थ विशाल रक्तदान शिविर' लगाया जाएगा।

पक्षी सेवा व शुद्धिकरण: नसिया जी मंदिर में पक्षियों के लिए नया चुग्गा पात्र बनाया जाएगा। साथ ही श्रीमहावीर जी रेलवे स्टेशन प्रांगण में भगवान महावीर की प्रतिमा के शुद्धिकरण कार्यक्रम में ग्रुप सक्रिय सहभागिता निभाएगा।

बैठक में उपस्थित गणमान्य

बैठक में संस्थापक अध्यक्ष सुमेर चंद जैन, रीजन सह-सचिव डॉ. मनोज जैन, अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या, सचिव महेश जैन और कोषाध्यक्ष सुभाष जैन सोगानी सहित समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष रमेश जैन, जगदीश जैन, डॉ. मानव जैन, राकेश जैन, ज्ञानेंद्र जैन, पंकज जैन, मंगल जैन, प्रवीण जैन (कठूमर) एवं डॉ. सुलेखा जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ।

अंबाह: भक्ति और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ सामूहिक अभिषेक, 'पार्श्वनाथ' के जयकारों से गूँजा मंदिर परिसर

अंबाह (अजय जैन). शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा स्थानीय श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर (परेड) में सामूहिक पूजन एवं अभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। पूरे समय मंदिर परिसर भक्ति, मंत्रोच्चार और घंटानाद से गुंजायमान रहा।

शांतिधारा के साथ विश्व शांति की कामना

ग्रुप अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल जिनेंद्र भगवान के अभिषेक के साथ हुआ। पूर्व अध्यक्ष अमित जैन टकसारी की प्रेरणा से आयोजित इस अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान पूर्वक भगवान का जलाभिषेक किया। शांतिधारा के दौरान श्रद्धालुओं ने आत्मशुद्धि के साथ-साथ विश्व शांति और लोक कल्याण की मंगल कामना की। पवित्र मंत्रोच्चार के बीच हुए इस अभिषेक ने उपस्थित जनसमूह को गहरी आध्यात्मिक अनुभूति कराई।

सामूहिक पूजन और मंगल गान

अभिषेक के पश्चात सामूहिक पूजन का आयोजन हुआ, जिसमें समाज के सभी वर्गों ने एक स्वर में भक्ति पाठ किया। महिलाओं द्वारा गाए गए मंगल गीतों ने वातावरण में मधुरता घोल दी। युवाओं ने जहाँ व्यवस्थाओं को अनुशासित रूप से संभाला, वहीं बच्चों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में विशेष उत्साह भरा। संस्थापक अध्यक्ष सुशील जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि अभिषेक और पूजन केवल धार्मिक क्रियाएं नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म की शुद्धि का माध्यम हैं। ऐसे आयोजन नई

पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

सामाजिक एकता का संदेश

महामंत्री विकास जैन और मीडिया प्रभारी कपिल जैन ने जानकारी दी कि ग्रुप का उद्देश्य धार्मिक चेतना के साथ-साथ सामाजिक संगठन को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम का समापन भगवान की भव्य महाआरती और मंगल पाठ के साथ हुआ। उपस्थित समाजजनों ने इस सफल आयोजन के लिए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के प्रयासों की सराहना की।

निरंतर सेवा के 58 माह पूर्ण

जैन सोशल ग्रुप महानगर ने दुर्गापुरा गौशाला में किया चारा वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

परोपकार और जीव-दया के संकल्प के साथ जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा रविवार को अपना 58वां मासिक सामाजिक सहायता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। दुर्गापुरा स्थित गौशाला में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत गौवंश को पौष्टिक आहार वितरित कर सेवा का संदेश दिया गया।

विविध आहार से हुई गौ-सेवा

सामाजिक सहायता कार्यक्रम के संयोजक रवि प्रकाश जैन ने बताया कि रविवार प्रातः 8:30 बजे ग्रुप के सदस्यों ने गौशाला पहुँचकर गायों को गाजर, हरा चारा, लौकी, गुड़, लड्डू और रोटियां खिलाईं। इस पुनीत कार्य में पुण्यार्जक परिवार के रूप में महानगर ग्रुप के निवर्तमान अध्यक्ष श्री संजय जी छाबड़ा (आवां) एवं श्रीमती सपना जी छाबड़ा का विशेष सहयोग रहा। संयोजक ने पुण्यार्जक परिवार का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

वर्ष 2021 से अनवरत जारी है सेवा यात्रा

महानगर ग्रुप के अध्यक्ष सुशील कासलीवाल ने जानकारी दी कि यह सेवा प्रकल्प वर्ष 2021 से निरंतर हर माह आयोजित किया जा रहा है। ग्रुप की इस मुहिम से प्रेरित होकर सदस्य स्वयं आगे बढ़कर पुण्यार्जक के रूप में अपनी सहभागिता दर्ज करा रहे हैं। इस अवसर पर संजय जी छाबड़ा ने घोषणा की कि वे भविष्य में भी प्रतिवर्ष मार्च माह के कार्यक्रम के पुण्यार्जक बने रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, पूर्व अध्यक्ष विरेन्द्र जैन, राजीव जैन, कार्यकारिणी सदस्य अमिता जैन, कमलेश जैन, गौरव जैन, राजकुमार जैन, विनोद कुमार जैन सहित महानगर ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सचिव विनीत जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुनि श्री निष्पक्ष सागर महाराज का हुआ केशलोच

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज एवं आचार्य श्री 108 समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री 108 निष्पक्ष सागर महाराज ने सोमवार प्रातः बेला में अपने केशों का लोचन (केशलोच) किया। दिगम्बर जैन परंपरा में केशलोच एक अत्यंत कठिन साधना एवं तपस्या मानी जाती है। पंचम काल में ऐसी साधना करना अत्यंत दुर्लभ माना जाता है। इस प्रक्रिया में दिगम्बर जैन मुनि किसी भी प्रकार के उपकरण, जैसे उस्तरा या मशीन का उपयोग नहीं करते, बल्कि अपने हाथों से ही बालों को उखाड़ते हैं। यह शरीर के प्रति मोह का त्याग तथा वेदना पर विजय का प्रतीक है। केवल बानी और राख का उपयोग करते हुए यह प्रक्रिया पूर्ण की जाती है। जैन मुनियों के 28 मूलगुणों में केशलोच भी सम्मिलित है, जो उनके वैराग्य, संयम और कठिन शारीरिक पीड़ा सहन करने की क्षमता को दर्शाता है। दिगम्बर जैन संत पूर्णतः स्वावलंबी होते हैं। वे किसी को कष्ट दिए बिना स्वयं साधना करते हुए समभाव से सभी परिषहों को सहन करते हैं और मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर रहते हैं। जैन संत अहिंसा व्रत का पालन करते हुए शरीर के प्रति राग-भाव को भी त्यागते हैं। जब जैन संत स्वयं अपने हाथों से केशलोच करते हैं, तब उनके चेहरे पर प्रसन्नता और संतोष की झलक दिखाई देती है, जो पंचम काल में भी उत्कृष्ट साधना का अद्भुत उदाहरण है।

अभिषेक जैन लुहाड़िया: रामगंजमंडी

बरवाला में सांग की थाप और फूलों की वर्षा: कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने क्षेत्रवासियों संग मनाई होली

हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा)

बरवाला की पुरानी अनाज मंडी रविवार को हरियाणवी संस्कृति के रंगों और होली के उल्लास से सराबोर हो गई। अवसर था कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के सानिध्य में आयोजित 'भव्य होली मिलन समारोह एवं सांग उत्सव' का। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता उमड़े।

सांग और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध कलाकार डॉ. सतीश कश्यप और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत 'हरियाणवी सांग' रहा। सांग के माध्यम से कलाकारों ने सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत का ऐसा ताना-बना बुना कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। वहीं, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की टीम ने लोकगीतों और पारंपरिक नृत्य से पूरे वातावरण को रंगमय बना दिया।

ड्रोन से फूलों की वर्षा और प्रेम का संदेश

अपने संबोधन में लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि होली केवल रंगों का नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का पर्व है। उन्होंने बरवाला वासियों के साथ फूलों की होली खेली। विशेष आकर्षण ड्रोन द्वारा की गई फूलों की वर्षा रही, जिसने उत्सव की भव्यता को दोगुना कर दिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष आशा खेदड़ ने भी आपसी मनमुटाव भुलाकर सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

जन्मदिन का दोहरा उत्साह

होली मिलन के साथ-साथ क्षेत्रवासियों ने कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का जन्मदिन भी बड़े उत्साह से मनाया। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा व रणधीर धीरू ने सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रमुख गणमान्य जनों की उपस्थिति

समारोह में जिला परिषद चेयरमैन सोनू सिहाग, वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीनिवास गोयल, मेयर प्रवीण पोपली, मार्केट कमेटी चेयरमैन रवींद्र रॉकी, नगरपरिषद चेयरमैन रमेश बैटरिवाला, पूर्व आईपीएस डॉ. दलबीर भारती और बरवाला विधानसभा के तीनों मंडल अध्यक्षों सहित प्रशासन और संगठन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व भारी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

अजमेरी गेट पर जमा फाग का रंग

चंग की थाप पर झूमे राहगीर, फूलों की होली बनी आकर्षण का केंद्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी के अजमेरी गेट स्थित प्रेम पान के पास पिपलेश्वर महादेव मंदिर में फाग उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। फाग के गीतों और चंग की थाप का जादू ऐसा चला कि वहां से गुजरने वाले राहगीर भी रुक गए और भक्ति व मस्ती में झूमने को मजबूर हो गए।

फतेहपुर सीकरी के कलाकारों ने बांधा समां

कार्यक्रम संयोजक मुकेश सोनी ने बताया कि उत्सव में विशेष रूप से आमंत्रित 'किशन एंड पार्टी, फतेहपुर सीकरी' के कलाकारों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कलाकारों ने जब ''ऐ जमुना को पानी ओ लायो ओ रसिया...'' और पतली कमर थारी लुड-लुड जावे... जैसे पारंपरिक राजस्थानी फाग गीत गाए, तो पूरा माहौल चंग की थाप से गूंज उठा। गीतों के मस्ती भरे बोल और वाद्ययंत्रों की जुगलबंदी ने उपस्थित जनसमूह का दिल जीत लिया।

राधा-कृष्ण की फूलों की होली

उत्सव का मुख्य आकर्षण राधा-कृष्ण की फूलों की होली रही। कलाकारों ने भगवान राधा और कृष्ण के स्वरूप में फूलों के साथ होली खेली, जिसे देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। श्रद्धालुओं ने भी एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा कर फाग का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में भगवान पिपलेश्वर महादेव की आरती की गई और प्रसादी वितरित की गई।

जीते जी उपेक्षा और मृत्यु पर प्रदर्शन

समाज की इस विडंबना पर विचार जरूरी

लेखकः नितिन जैन

''मैं इस सामाजिक व्यवस्था को स्वीकार नहीं करता, जहाँ जीवित इंसान से कोई प्रेम नहीं करता, और मरने के बाद सब एक साथ आकर रोने लगते हैं—केवल अपना-अपना दुःख दिखाने के लिए।''

यह विचार मात्र शब्दों का समूह नहीं, बल्कि हमारे समकालीन समाज का वह कड़वा सच है जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। आज हम एक ऐसे कृत्रिम दौर में जी रहे हैं जहाँ रिश्तों की आत्मीयता और गर्माहट धीरे-धीरे ठंडी पड़ती जा रही है। जब कोई व्यक्ति जीवित होता है, अपने जीवन के कठिन दौर से गुजर रहा होता है, या अकेलेपन की गहरी पीड़ा झेल रहा होता है, तब समाज के पास उसके पास बैठने, उसका हाल पूछने या उसकी आँखों की नमी को समझने का समय नहीं होता। लेकिन, जैसे ही वही व्यक्ति इस नश्वर संसार से विदा होता है, अचानक संवेदनाओं का सैलाब उमड़ पड़ता है। घर के बाहर लोगों का हुजूम लग जाता है, आँखों में कृत्रिम आँसू तैरने लगते हैं और शब्दों के माध्यम से भारी-भरकम श्रद्धांजलियों का दौर शुरू हो जाता है। यह कैसी विडंबना है कि जिसे जीवित रहते दो मीठे बोल और सम्मान नसीब नहीं हुआ, उसे मृत्यु के उपरांत बड़े-बड़े भाषणों और प्रशस्ति पत्रों से सजाया जाता है। कड़वी सच्चाई यह है कि वर्तमान समाज में संवेदनाओं से कहीं अधिक 'प्रदर्शन' और 'लोकलाज' को महत्व दिया जाने लगा है। अक्सर हम किसी व्यक्ति के पास इसलिए नहीं जाते कि हमें उससे प्रेम है, बल्कि इसलिए जाते हैं क्योंकि हमें डर रहता है कि लोग क्या कहेंगे। शोकसभाओं में उपस्थिति दर्ज कराना अब एक सामाजिक शिष्टाचार बनकर रह गया है, जबकि वही व्यक्ति जब जीवित था, तब उसके पास जाने में हमें संकोच होता था। हमें स्वयं से एक गंभीर प्रश्न पूछना होगा—क्या हमारा मानवीय कर्तव्य केवल अंतिम यात्रा में कंधा देने तक सीमित है? क्या जीवन की चुनौतीपूर्ण यात्रा में किसी का हाथ थामना हमारा दायित्व नहीं? प्रेम, सम्मान और अपनापन दिखाने के लिए हमें किसी के प्राण निकलने का इंतजार क्यों करना चाहिए? यदि आप किसी व्यक्ति को अपने जीवन में महत्व देते हैं, तो उसे आज ही बताइए, इसी क्षण प्रकट कीजिए। उसके संघर्ष के दिनों में उसका संबल बनिए, उसके दुःख में कंधा दीजिए और उसकी छोटी-छोटी खुशियों में वास्तविक सहभागी बनिए। मृत्यु के बाद का दिखावटी शोक किसी मृत व्यक्ति के काम नहीं आता, लेकिन जीवन रहते दिया गया एक सच्चा साथ किसी की पूरी दुनिया बदल सकता है। मृत्यु के बाद रोना और भीड़ का हिस्सा बनना बहुत सरल है, लेकिन किसी के जीवित रहते उसे निःस्वार्थ प्रेम और सम्मान देना ही वास्तविक साहस का काम है।

भक्ति के रंग में रंगा सांगानेर: संघीजी मंदिर में गूंजे भक्तामर स्तोत्र के स्वर, महासमिति का विशाल आयोजन संपन्न

जयपुर/सांगानेर. शाबाश इंडिया

विश्व प्रसिद्ध श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (संघीजी), सांगानेर में दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं सांगानेर संभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'महासमिति युवा वर्ष-2025-26' के अंतर्गत मासिक भक्तामर स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन पूर्ण भक्ति-भाव के साथ संपन्न हुआ। गाजे-बाजे और संगीत की मधुर स्वर लहरियों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

विद्वानों के सानिध्य में संपन्न हुए अनुष्ठान

कार्यक्रम का संयोजन अंचल कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या, अंचल मंत्री शांति कुमार काला और संभागीय युवा अध्यक्ष आशीष पाटनी द्वारा किया गया। पंडित नवीन कुमार शास्त्री के कुशल निर्देशन में भक्तामर स्तोत्र का पाठ विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ।

गरिमामयी उपस्थिति एवं स्वागत

अनुष्ठान का शुभारंभ सेवानिवृत्त IPS एवं अंचल अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, डॉ. णमोकार जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल और भागचन्द जैन मित्रपुरा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। सांगानेर संभाग के अध्यक्ष कैलाश चन्द मलैया, महिला उपाध्यक्ष कमला अजमेरा और सीमा पाटनी ने आगंतुक अतिथियों का माला एवं अंगवस्त्र पहनाकर भव्य स्वागत किया।

देशभर से आए श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

इस महा-पाठ में लगभग 51 परिवारों ने इंद्र-इंद्राणी के रूप में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष बात यह रही कि जयपुर महानगर के साथ-साथ सहारनपुर, खतौली, दिल्ली, सागर, अंबाला केंट, औरंगाबाद और गढ़ाकोटा जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों से आए यात्रियों ने भी इस सामूहिक आराधना में सम्मिलित होकर धर्मलाभ अर्जित किया।

महाआरती के साथ समापन

संगीतकारों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया, जिससे उपस्थित जनसमूह भक्ति नृत्य करने पर मजबूर हो गया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक महाआरती की गई, जिसके पश्चात मंगल पाठ के साथ समारोह का विसर्जन हुआ।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

एम्बीशन किड्स एकेडमी एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 8 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थान : एम्बीशन किड्स एकेडमी
62/121, प्रताप नगर, श्योपुर, मेन रोड़, सांगानेर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

एम्बीशन किड्स एकेडमी
डॉ. मनीष जैन 'मणि'-डॉ. अलका जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर
अध्यक्ष : डॉ. एम.एल. जैन मणि-डॉ. शांति जैन
सचिव : सुरेश-आभा गंगवाल
कोषाध्यक्ष : पारस-मंजू लुहाड़िया

: आयोजन समिति :
राजेश बड़जात्या - मुख्य समन्वयक
राकेश गोदिका - मुख्य समन्वयक
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
सुनील बज - अध्यक्ष, नीरज जैन - महासचिव
कोषाध्यक्ष -प्रमोद जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
राजेश पाटनी - अध्यक्ष, संजय छाबड़ा - सचिव
कोषाध्यक्ष - कमल चन्द ठोलिया

आचार्य वसुनंदी की कृति 'आदर्श शिक्षा विधि' पर भव्य समीक्षा संगोष्ठी आज

इस अवसर पर ग्रंथ के अध्ययन पर आधारित 'लिखित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता' के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रज्ञा जैन व डॉ. भाग चंद जैन (प्रथम), दिव्या जैन (द्वितीय) एवं राज मोहन गुप्ता (तृतीय) को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, कार्यक्रम में सैकडों शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

प्रशासनिक अधिकारी निशांत जैन होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महामुनिराज द्वारा रचित और आर्यिका रत्न 105 श्री वर्धस्व नंदिनी जी द्वारा संपादित युगप्रवर्तक ग्रंथ ''आदर्श शिक्षा विधि'' (आयंस सिक्खा वीही) पर एक भव्य समीक्षा संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन आज, 5 मार्च (गुरुवार) को होने जा रहा है। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान प्रांत) एवं श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे महावीर सभागार (महावीर विद्यालय) में आयोजित किया जाएगा।

ग्रंथ का सार: शिक्षा से आत्म-जागरण तक

342 पृष्ठों का यह महत्वपूर्ण ग्रंथ शिक्षा को केवल आजीविका का साधन न मानकर उसे आत्म-जागरण, चरित्र-निर्माण और मोक्षमार्ग की साधना के रूप में प्रतिष्ठित करता है। जैन दर्शन के शाश्वत सिद्धांतों—अहिंसा, सत्य और अनेकांत—के आलोक में यह कृति वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को एक नैतिक और संस्कारवान दिशा प्रदान करती है।

20 अध्यायों में समाहित है जीवन का दर्शन

यह ग्रंथ 20 सुव्यवस्थित अध्यायों में विभक्त है, जिसमें प्राकृत भाषा की 126 गाथाएं संकलित हैं। इनमें शिक्षा के लक्षण, स्त्री शिक्षा, शारीरिक व मानसिक विकास, आदर्श शिक्षक-शिष्य के गुण और गुरु-शिष्य संबंधों का गहन दार्शनिक विश्लेषण किया गया है। आचार्य श्री का संदेश स्पष्ट है कि शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल बुद्धि का विकास नहीं, अपितु आत्मा का उत्थान होना चाहिए।

सम्मानित होंगे प्रबुद्ध शिक्षक

इस अवसर पर ग्रंथ के अध्ययन पर आधारित 'लिखित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता' के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रज्ञा जैन व डॉ. भाग चंद जैन (प्रथम), दिव्या जैन (द्वितीय) एवं राज मोहन गुप्ता (तृतीय) को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, कार्यक्रम में सैकड़ों शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

प्रमुख अतिथि एवं वक्ता

मुख्य अतिथिः श्री निशांत जैन (भारतीय प्रशासनिक सेवा), सचिव-जयपुर विकास प्राधिकरण।

विशिष्ट अतिथिः श्री अनिल टाक (भारतीय पुलिस सेवा), पूर्व पुलिस महानिरीक्षक।

विशिष्ट वक्ताः डॉ. यश जैन (राजस्थान विश्वविद्यालय) एवं श्री राकेश जैन (दूरदर्शन)।

कार्यक्रम का विवरण:

दिनांकः 05 मार्च 2026 (गुरुवार)

समयः प्रातः 11:00 बजे

स्थानः महावीर सभागार, श्री महावीर विद्यालय, सी-स्कीम, जयपुर

पदम जैन बिलाला प्रांतीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान

अंतर्मन को धर्म के पांच रंगों से रंगना ही वास्तविक होली: युवाचार्य महेंद्र ऋषि

इंदौर. शाबाश इंडिया

श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने होली चातुर्मास के पावन अवसर पर इंदौर के महावीर भवन में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए जीवन के आध्यात्मिक मर्म पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि अपने भीतर के विकारों को दूर कर अंतर्मन को धर्म के पांच रंगों से रंगने का पावन अवसर है।

संयम और विनय से निखरता है व्यक्तित्व

युवाचार्य श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि संकल्प ही आत्मविश्वास की जड़ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति विनयवान होता है, वही सच्ची विद्या और ज्ञान का अधिकारी बनता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक जीवन में लोभ, मान, माया और क्रोध जैसे विकार रहेंगे, तब तक व्यक्तित्व में शुद्धता नहीं आ सकती। इन दोषों का त्याग ही आत्मशुद्धि का वास्तविक मार्ग है।

भीलवाड़ा (राजस्थान) में होगा आगामी चातुर्मास

चातुर्मासिक पखवाड़ी होली के इस महत्वपूर्ण अवसर पर युवाचार्य भगवंत ने देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए साधु-साध्वियों के चातुर्मास की घोषणाएं कीं। इसी कड़ी में उन्होंने अपना आगामी चातुर्मास शांति भवन, भीलवाड़ा (राजस्थान) में करने की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही भीलवाड़ा से पधारे पदाधिकारियों और उपस्थित जनसमूह ने हर्षोल्लास के साथ जयकारे लगाए।

साधना और सामूहिक सहभागिता

होली पर्व के उपलक्ष्य में 'पांच-पांच सामायिक' की दया का विशाल सामूहिक आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने आत्मचिंतन और साधना की। धर्मसभा में अभिषेक मुनि जी, राजेश मुनि जी, विकसित मुनि जी सहित अनेक साध्वी मंडल ने भी धर्मवाणी का अमृत प्रवाहित किया।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

संघ के महामंत्री रमेश भंडारी ने स्वागत उद्बोधन दिया। सभा में जीनेश्वर जैन, राजकुमार पंजाबी, रितेश कटकानी, पीयूष जैन, रखबचंद कोटावाले सहित समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन प्रकाश भटेवरा द्वारा किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सिंगोली के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आने की दी स्वीकृति

सिंगोली. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं अर्हम योग प्रणेता मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में सिंगोली में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के आगमन की स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 2 अप्रैल से 7 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगा। महोत्सव में आमंत्रण देने के लिए सिंगोली जैन समाज का एक प्रतिनिधिमंडल लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मिला और उन्हें कार्यक्रम में पधारने हेतु आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष भरत जैन, पारस हरसौरा, राजेंद्र मोहिवाल, चांदमल जैन, शोभालाल जैन, सुभाष जैन, कमल जैन, अशोक जैन, बसंत जैन, पुष्प जैन, हितेश जैन, चेतन भैया सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। इस अवसर पर अध्यक्ष भरत जैन ने बताया कि श्री बिरला ने समाज के इस निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में आने की स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृति मिलने के बाद अध्यक्ष भरत जैन एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने श्री बिरला का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका सिंगोली आगमन नगर एवं जैन समाज के लिए गर्व का विषय होगा। उनकी उपस्थिति से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव निश्चित ही ऐतिहासिक और यादगार बनेगा।

अभिषेक जैन लुहाड़िया: रामगंजमंडी, मो. 9929747312

महावीर इंटरनेशनल ने मनाया होली स्नेह मिलन

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को दी पर्व की बधाई

अजमेर (रोहित जैन)। महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 के पदाधिकारियों ने होली के पावन अवसर पर 'होली स्नेह मिलन' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान संस्था के एक प्रतिनिधिमंडल ने कोटा स्थित कार्यालय पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। रीजन-3 के उपनिदेशक कमल गंगवाल ने बताया कि मुलाकात के दौरान पदाधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष को महावीर इंटरनेशनल के उद्देश्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और वर्तमान में चल रहे सेवा कार्यों से अवगत कराया। श्री ओम बिड़ला ने संस्था द्वारा समाज के वंचित वर्गों के लिए किए जा रहे कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और भविष्य के प्रकल्पों के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अजमेर (अजयमेरु) में आयोजित स्नेह मिलन के दौरान पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर अजयमेरु केंद्र के वाइस चेयरमैन विजय पांड्या ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से आग्रह किया कि महावीर इंटरनेशनल की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए नए सदस्यों को जोड़ने हेतु विशेष सक्रियता दिखाएं।

।। श्री चन्द्रप्रभ जिनेन्द्रायः नमः ।।

श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

पारस विहार, मुहाना मंडी, मोहनपुरा, जयपुर-29

।। श्री पार्श्वनाथाय: नमः ।।

चैत्यालय उत्थापन एवं भव्य श्रीजी विराजमान महोत्सव

आदरणीय स्नेही स्वजनों,

सादर जय जिनेन्द्र, 722 गोदिका भवन स्थित चैत्यालय में विराजमान मूलनायक 1008 श्री चन्द्रप्रभ भगवान व अन्य प्रतिमाओं को सभी की सहमति से श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, पारस विहार मुहाना मण्डी में विराजमान करने का निश्चिय किया गया हैं। उसी भावना को ध्यान मे रखते हुए पं. श्री निर्मल कुमार जी बोहरा के सानिध्य में यह कार्यक्रम आप ओर हम सभी मिलकर भव्य रूप से रविवार 8 मार्च 2026 को आयोजित कार्यक्रम में विराजमान करेंगें।

अत: आप सभी से अनुरोध है कि अपने सभी परिजनों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें तथा कार्यक्रम को भव्य रूप से सम्पन्न कराने में सहयोग प्रदान करें।

:: कार्यक्रम ::

शनिवार, दिनांक 7 मार्च 2026

स्थान : श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय गोदीकान 722 गोदीका भवन

प्रात: 7.15 बजे : अभिषेक पूजा

प्रात: 8.15 बजे : श्रीजी प्रतिमा उत्थापन

प्रात: 9.15 बजे : अभिषेक एवं जाप

स्थान : श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, पारस विहार मुहाना मण्डी

रविवार, दिनांक 8 मार्च 2026

स्थान : श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, पारस विहार मुहाना मण्डी

प्रात: 7.00 बजे : श्रीजी की पालकी यात्रा (मुहाना मण्डी प्रांगण से मन्दिर जी तक)

प्रात: 8.00 बजे : याज्ञ मण्डल विधान (संगीत व साजो द्वारा)

प्रात: 11.30 बजे : हवन

दोपहर 12.15 बजे : वेदी में श्रीजी विराजमान

दोपहर 12.40 बजे : कलशाभिषेक एवं महाआरती

दोपहर 1.30 बजे : स्नेहभोज

सौधर्म इन्द्र
बाबूलाल-सुमन गोदीका

ऐशान इन्द्र राजेन्द्र-शीला गोदीका	**सानत्कुमार इन्द्र** मोनेश-सपना गोदीका
माहेन्द्र डॉ. सौरभ-नीतू गोदीका	**ब्रहमेन्द्र** सुदेश-अलका गोदीका
लान्तव इन्द्र सुशील-शशि गोदीका	**शुकेन्द्र** प्रवीण-हेमलता गोदीका
शतेन्द्र सुधीर-आरती गोदीका	**आनतेन्द्र** रवि-अंजू गोदीका
प्रणेन्द्र अंकित-पूजा गोदीका	**चक्रवर्ती** दिलीप-रजनी गोदीका
कुबेर राकेश-समता गोदीका	**यज्ञनायक** पवन-सरोज गोदीका

:: विधानाचार्य ::
पं. श्री निर्मल कुमार जी बोहरा
"जैनदर्शनाचार्य", एम.ए., धर्मालंकार

:: आयोजन समिति ::
पवन कुमार गोदीका — मुख्य समन्वयक
राकेश गोदीका — मुख्य समन्वयक

:: गायक ::
श्रीमती मंजू ढालिया, श्रीमती समता गोदीका
श्रीमान् सुदेश गोदीका

दिलीप गोदीका समन्वयक | अनिल गोदीका समन्वयक | दिनेश गोदीका समन्वयक | सुदेश गोदीका समन्वयक | सुधीर गोदीका समन्वयक | प्रवीण गोदीका समन्वयक | मोनेश गोदीका समन्वयक | अरूण काला समन्वयक

:: निवेदक ::

राजेन्द्र गोदीका, बाबूलाल गोदीका, विरेन्द्र गोदीका, निर्मल गोदीका, राजेन्द्र गोदीका (बाबू), रजनेश गोदीका, हरीश गोदीका, सुभाष गोदीका, सुशील गोदीका, रामचन्द्र गोदीका, राजकुमार गोदीका, राजेश गोदीका, प्रदीप गोदीका, अशोक गोदीका, रवि गोदीका, डॉ.सौरभ गोदीका, संदीप गोदीका, आनन्द गोदीका, प्रमोद गोदीका, अंकित गोदीका, प्रतीक गोदीका, सुनील गोदीका

एवं समस्त गोदीका परिवार, 722 गोदीका भवन

किशनगढ़ में भक्ति का महासंगम: 1024 अर्घ्यों के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान संपन्न, विश्व शांति महायज्ञ में दी आहुतियां

मदनगंज-किशनगढ़ (रोहित जैन)

अष्टाह्निका महापर्व के पावन अवसर पर संत सुधासागर प्राकृत पाठशाला परिवार द्वारा आयोजित आठ दिवसीय 'श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान' का भव्य समापन हुआ। आदिनाथ कॉलोनी स्थित श्री ऋषभदेव दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित इस अनुष्ठान में पाठशाला परिवार ने अनंतानंत सिद्ध परमेष्ठी की भक्ति कर महान पुण्य अर्जित किया। विधान के दौरान प्रतिदिन भक्ति का उत्साह बढ़ता गया। पाठशाला परिवार द्वारा प्रभु के समक्ष क्रमशः 8, 16, 32 और 64 अर्घ्यों से अर्चना की गई। अनुष्ठान के अंतिम दिन 1024 अर्घ्यों के माध्यम से भगवान की महा-

अर्चना की गई। मंत्रोच्चार और संगीत की मधुर स्वर लहरियों के बीच पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। इस भव्य अनुष्ठान का समापन भव्यातिभव्य विश्व शांति महायज्ञ के साथ हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण की भावना से आहुतियां दीं। पूरे विधान का मंगल निर्देशन प्रतिष्ठाचार्य अभिषेक शास्त्री 'यश' (घुवारा/किशनगढ़) द्वारा किया गया, जिनके मार्गदर्शन में सभी क्रियाएं विधि-विधान पूर्वक सानंद संपन्न हुईं। कार्यक्रम को सफल बनाने में पाठशाला के विशिष्ट सहयोगी प्रभारी अशोक जी, सुशील, संजय और विद्यादेवी जी का विशेष सहयोग रहा। विधान में सरिता पाटनी, मधु चौधरी, आशा बज, राजमति जी, खुशबू गंगवाल, नीतू, राखी, अक्षिता पापड़ीवाल, दीपिका, संगीता, खुशी दगड़ा, ललिता जी, शिमला जैन, अनिता, सुमन और सुनीता सहित समस्त पाठशाला परिवार ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्मलाभ लिया।

कीचड़ में रहकर भी कमल की तरह निर्मल रहना ही सच्ची साधना: आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

श्रमणी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी ससंघ का अरिहंत कॉलोनी से विहार कर बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंदिर आगमन पर श्रद्धालुओं ने जयकारों और मंगल कलश के साथ माताजी की अगवानी की। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि ससंघ के मंदिर प्रवेश के उपरांत माताजी के मुखारविंद से उच्चारित मंत्रों के बीच लक्ष्मीकांत जैन, विनय कुमार जैन, राजेंद्र सोगानी और राजकुमार शाह ने भगवान शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ पर शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर गुरु भक्त परिवारों और अतिथियों का माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।

धर्म देशना: वैभव के बीच भी मन रहे निर्मल

माताजी ने अपनी धर्म देशना में बापू नगर के नाम के संदर्भ में महात्मा गांधी को याद करते हुए कहा कि आज लोग बापू के आदर्शों को भले न मानें, लेकिन नोटों पर उनका नाम जरूर चलता है। भगवान पदम प्रभु के कमल आसन का आध्यात्मिक अर्थ समझाते हुए माताजी ने कहा: कमल कीचड़ में उगने के बावजूद स्वयं को स्वच्छ रखता है। यह हमें सिखाता है कि हम चाहे कितने भी धन और वैभव के बीच रहें, हमें अपनी आत्मा को निर्मल रखना चाहिए। जैसे कमल अंधेरे से प्रकाश की ओर खिलता है, वैसे ही हमारी लक्ष्मी (सम्पत्ति) सदैव ज्ञान और धर्म से जुड़ी होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि लक्ष्मी सदा खड़ी रहती है (चंचल है), जबकि सरस्वती बैठी रहती है (स्थिर ज्ञान)। परिवार में रहते हुए धर्म, दान, क्षमा और परोपकार करने से ही सुख-समृद्धि बढ़ती है। प्रारंभ में ज्ञापकश्री माताजी ने सुंदर मंगलाचरण किया। मंदिर अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि कल प्रातः अभिषेक व शांतिधारा के बाद माताजी के प्रवचन और आहारचर्या होगी। दोपहर में स्वाध्याय तथा सायंकाल आरती व गुरु-भक्ति के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का कुशल संचालन पूनम चंद सेठी द्वारा किया गया।

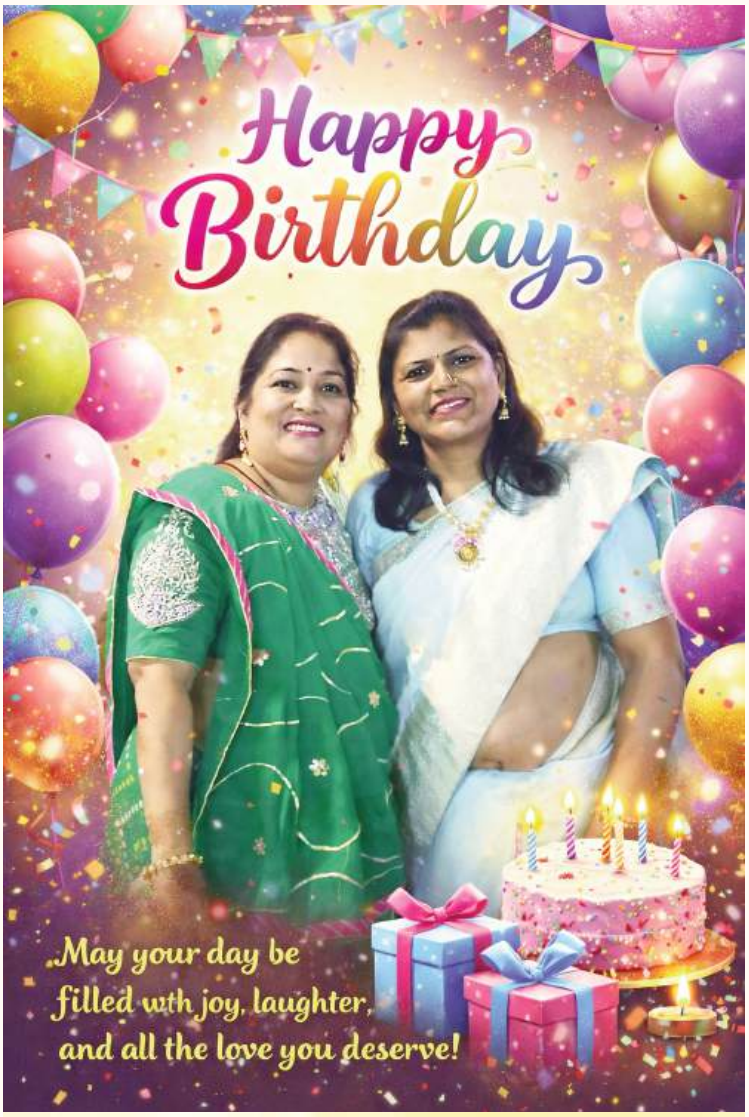

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर की सदस्य

श्रीमती रानी. बोहरा एवं श्रीमती राजकुमारी पाटनी

को जन्म दिन की बहुत-बहुत बधाइयां समस्त संगिनी फॉरएवर ग्रुप एवं महासमिति अंचल के सदस्यों की तरफ से

अध्यक्ष शकुंतला विनायका
मंत्री: सुनीता गंगवाल
कोषाध्यक्ष: उर्मिला जैन